कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (53) खण्ड - {105}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें..........

प्रश्न 1- ॅउंच कुल कौन सा है ?

A- ब्राह्मण

B- सूर्यवंशी

C- चन्द्रवंशी

D- B और C

प्रश्न 2- विनाश सामने खड़ा है, इसलिए -

A- अब जल्दी-जल्दी पुरूषार्थ करना है। नहीं तो पाप भस्म नहीं होंगे।

B- ठण्डे मत बनो।

C- सिवाए एक बाप के और कोई को याद न करो। सब दुःख देने वाले हैं।

D- एवररेडी बनो

प्रश्न 3- सबसे मीठी चीज़ है-

A- बाप

B- स्वर्ग

C- स्वीट होम

D- ज्ञान मुरली

प्रश्न 4- शरीर को चोट लगने से दुः ख किसको फील होता है ?

A- आत्मा को

B- शरीर को

C- आत्मा और शरीर दोनों को

D- मन को

प्रश्न 5- जो अच्छे रत्न हैं वह -

A- वह बाप को चलते-फिरते याद करते हैं।

B- जन्म-जन्मान्तर याद करते हैं।

C- बाप के डायरेक्शन पर चलते हैं।

D- आलराउंडर होते हैं।

प्रश्न 6- शरीर सहित सब खलास हो जाना है इसलिए-

A- इससे पहले ही जीते जी मरना है, ताकि अन्त समय में कुछ भी याद न आये।

B- ब्रह्मा बाप समान कुर्बान जाने में पूरा फालो करना है।

C- एक-दो को यही सावधानी देते रहो ।

D- सम्पूर्ण नष्टोमोहा बनना है।

प्रश्न 7- जितना तुम योग में रहेंगे, उतना -

A- उतना पाप भस्म होंगे,

B- पद भी ऊंच मिलेगा,

C- आयु भी बड़ी होगी,

D- A और B

E- A, B और C

प्रश्न 8- योग का अर्थ है ?

A- अपने विकर्म विनाश करना

B- श्रेष्ठ वायुमण्डल बनाना

C- श्रेष्ठ स्मृति में रहना।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 9- आत्मा रूपी ज्योति में कौन सा घृत डालना है ?

A- ज्ञान अमृत

B- स्वच्छ बुद्धि का

C- ज्ञान-योग का

D- पवित्रता का

प्रश्न 10- जब तुम पक्के योगी बन जायेंगे तब लायक बनेंगे। लायक बनने के लिए -

A- कर्मेन्द्रियों को शीतल बनाना है।

B- प्योरिटी फर्स्ट है।

C- 84 का चक्र जानना है।

D- पूरा फरमानबरदार बनना है।

प्रश्न 11- अज्ञान के कारण आत्मा -

A- काली होती है।

B- पत्थर मिसल डल हो गई है।

C- ज्योति डिम हो गई है।

D- B और C

E- A, B और C

प्रश्न 12- क्या करते रहो तो पद्म इकट्ठे होंगे ?

A- कदम-कदम पर बाप को याद करते रहो।

B- पवित्रता की धारणा।

C- पढ़ाई।

D- श्रीमत पर चलते रहो।

प्रश्न 13- सच्ची-सच्ची दीपावली है ?

A- सतयुग में

B- घर-घर में सोझरा हो जाता है तो

C- बाप की पढ़ाई से हमारी ज्योति जग गई है,तो

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- साहूकार के पैसे तो सब मिट्टी में मिल जाने हैं क्योंकि-

A- पाप के पैसे हैं ना, काम में नहीं आते।

B- गरीबों को साहूकार, साहूकारों को गरीब बनना है।

C- मुट्ठी में पैसे पकड़े हए हैं. उनके पिछाड़ी प्राण हैं।

D- पूरे स्वाहा हो न सके।

प्रश्न 15- कब नैचुरल कैलेमिटीज (आपदायें) वा विनाश का फोर्स बढ़ेगा और यह पुरानी दुनिया समाप्त होगी ?

A- जब तुम नम्बरवार सतोप्रधान बनेंगे तब

B- सम्पूर्ण पवित्र बनो तब

C- कलियुग अन्त में

D- जब पढ़ाई पूरी होगी तब

प्रश्न 16- दो बिल्ले लड़ते हैं, मक्खन श्रीकृष्ण खा लेते हैं। दो बिल्ले अर्थात् -

A- दो देश

B- कौरव और पाण्डव

C- ब्राह्मण और माया

D- यादव और कौरव

भाग (53) खण्ड {105} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.ब्राह्मण*

तुम्हारी बुद्धि में सारा ज्ञान है - कैसे हम नीचे उतरे फिर ब्राह्मण कुल में आये फिर डीटी डिनायस्टी में आये। *अभी तुम ब्राह्मण हो चोटी। चोटी सबसे ऊंच होती है। तुम्हारे जैसा ऊंच कुल कौन कहलावे*। भगवान बाप आकर तुमको पढ़ा रहे हैं। तुम कितने भाग्यशाली हो।

उत्तर 2 *- A.अब जल्दी-जल्दी पुरूषार्थ करना है। नहीं तो पाप भस्म नहीं होंगे*

विनाश सामने खड़ा है, इसलिए अब जल्दी-जल्दी पुरूषार्थ करना है। नहीं तो पाप भस्म नहीं होंगे। बाप की याद से ही पाप कटेंगे। पतित-पावन एक बाप ही है। कल्प पहले जिन्होंने पुरूषार्थ किया है वह करके ही दिखायेंगे। ठण्डे मत बनो। सिवाए एक बाप के और कोई को याद न करो। सब दु:ख देने वाले हैं। जो सदा सुख देने वाला है, उनको याद रखो, इसमें ग़फलत नही करनी है। याद नहीं करेंगे तो पावन कैसे बनेंगे?

उत्तर 3- *A.बाप*

बाप जैसी मीठी चीज़ दुनिया में कोई नहीं, इसलिए बाप का डायरेक्शन है - बच्चे, चलते-फिरते मुझे ही याद करो।

उत्तर 4- *A.आत्मा को*

यह भी तुम बच्चे जानते हो कि यह पुराना तन है। *दु:ख आत्मा को ही मिलता है। शरीर को चोट लगने से आत्मा को दु:ख फील होता है।* आत्मा कहती है मैं रोगी, दु:खी हूँ। यह है दु:ख की दुनिया। कहाँ भी जाओ दु:ख ही दु:ख है। सुखधाम में तो दु:ख हो न सकें।

उत्तर 5- *A.वह बाप को चलते-फिरते याद करते हैं*

बच्चों को समझाया है, अपने को आत्मा समझो, देह नहीं समझो। *जो अच्छे रत्न हैं वह बाप को चलते- फिरते याद करते हैं*, यह भी क्यों कहते हैं? क्योंकि तुम्हारा जन्म-जन्मान्तर से पापों का घड़ा भरा पड़ा है। तो इस याद की यात्रा से ही तुम पाप आत्मा से पुण्य आत्मा बन जायेंगे।

उत्तर 6- *A.इससे पहले ही जीते जी मरना है, ताकि अन्त समय में कुछ भी याद न आये*

ब्रह्मा बाप समान कुर्बान जाने में पूरा फालो करना है। शरीर सहित सब खलास हो जाना है इसलिए *इससे पहले

ही जीते जी मरना है, ताकि अन्त समय में कुछ भी याद न आये।*

उत्तर 7- *E. A,B और C*

सतयुग में भारतवासियों की आयु भी बड़ी थी, योगी थे। योगी और भोगी का फर्क भी अब मालूम पड़ता है। *तुम्हारी आयु वृद्धि को पा रही है। जितना तुम योग में रहेंगे, उतना पाप भस्म होंगे और पद भी ऊंच मिलेगा, आयु भी बड़ी होगी।*

उत्तर 8- *C.श्रेष्ठ स्मृति में रहना*

योग का अर्थ है श्रेष्ठ स्मृति में रहना। मैं श्रेष्ठ आत्मा श्रेष्ठ बाप की सन्तान हूँ, जब ऐसी स्मृति रहती है तो स्थिति श्रेष्ठ हो जाती है। श्रेष्ठ स्थिति से श्रेष्ठ वायुमण्डल स्वत: बनता है जो अनेक आत्माओं को अपनी ओर आकर्षित करता है

उत्तर 9- *C.ज्ञान-योग का*

ज्ञानवान बन आत्माओं को सुजाग करने की सेवा करनी है। *आत्मा रूपी ज्योति में ज्ञान-योग का घृत डालना है।* श्रीमत पर बुद्धि को स्वच्छ बनाना है।

उत्तर 10- *B.प्योरिटी फर्स्ट है*

जो पक्के योगी हैं, जिन्होंने योगबल से अपनी सर्व कर्मेन्द्रियों को शीतल बनाया है, जो योग में ही रहने की मेहनत करते हैं, उन्हें माया ज़रा भी तंग नहीं कर सकती। *जब तुम पक्के योगी बन जायेंगे तब लायक बनेंगे। लायक बनने के लिए प्योरिटी फर्स्ट है।*

उत्तर 11- *D. B और C*

अज्ञान के कारण तुम्हारी आत्मा डल हो गई है। हीरे में चमक होती है ना, पत्थर में चमक नहीं होती इसलिए कहा जाता है *पत्थर मिसल डल हो गई है।* फिर जागती है तो कहा जाता है यह जैसे पारसमणी है। *अब अज्ञान के कारण आत्मा की ज्योति डिम हो गई है, काली नहीं होती है।* नाम

यह रखा हुआ है। आत्मा सबकी एक जैसी होती है, शरीरों की बनावट अनेक प्रकार की होती है

उत्तर 12- *A.कदम-कदम पर बाप को याद करते रहो*

तुम पद्मापद्म भाग्यशाली बनते हो। *कदम-कदम पर बाप को याद करते रहो तो पद्म इकट्ठे होंगे।* इतनी कमाई बाप को याद करने से होती है। फिर ऐसे बाप को याद करना तुम भूलते क्यों हो? जितना बाप को याद करेंगे, सर्विस करेंगे उतना ऊंच पद पायेंगे।

उत्तर 13- *C.बाप की पढाई से हमारी ज्योति जग गई है, तो*

ज्ञान को पढ़ाई कहा जाता है। *बाप की पढ़ाई से हमारी ज्योति जग गई है,* इनको ही सच्ची-सच्ची दीपावली क हा जाता है। छोटे-पन में मिट्टी के दीपक में तेल डाल ज्योति जगाते थे। वह तो रस्म चलती रहती है। उनसे कोई दीपावली नहीं होती। यह तो आत्मा जो अन्दर है, वह डिम हो गई है। उनकी ज्योति आकर बाप जगाते हैं।

उत्तर 14- *A.पाप के पैसे है ना, काम में नहीं आते*

बाप कहते हैं कि पिछाड़ी में और कोई चीज़ याद न आये। सिर्फ मामेकम् याद करो तो जन्म जन्मान्तर के पाप नाश हो जायें। साहूकार के पैसे तो सब मिट्टी में मिल जाने हैं क्योंकि पाप के पैसे हैं ना। काम में नहीं आते। बाप कहते हैं हम गरीब निवाज़, गरीबों को साहूकार, साहूकारों को गरीब बना देंगे।

उत्तर 15- *A.जब तुम नम्बरवार सतोप्रधान बनेंगे तब*

जब तुम नम्बरवार सतोप्रधान बनेंगे तब नेचुरल कैलेमिटीज का विनाश का फोर्स बढ़ेगा और यह पुरानी दुनिया समाप्त होगी" ज्ञान यज्ञ से विनाश ज्वाला प्रगट होगी और पुरानी दुनिया का विनाश होगा.

उत्तर 16- *A.दो देश*

बाहुबल वाले विश्व के मालिक बन न सकें। हाँ, उन्हों में इतनी ताकत है, *अगर क्रिश्चियन दो भाई अर्थात् दो देश अमेरिका और रूस आपस में मिल जाएं तो विश्व के मालिक बन सकते हैं।* परन्तु लॉ नहीं है। कहानी भी है दो बिल्ले आपस में लड़े और माखन बन्दर खा गया। तो वह दो लड़ते हैं बीच में माखन भारत को मिल जाता है, इसमें भी नम्बरवन है श्रीकृष्ण इसलिए कृष्ण के मुख में गोला दिखाते हैं।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (53) खण्ड - {106}

प्रश्न 1- तुम्हें किसी भी पतित देहधारियों से प्यार नहीं रखना है क्योंकि -

A- स्वर्ग में जा रहे हो

B- संगमयुग में हो

C- तुम पावन दुनिया में जा रहे हो

D- अब घर जाना है

प्रश्न 2- स्वयं भगवान टीचर बनकर पढ़ाते हैं। इसलिए -

A- अच्छी रीति पढ़ना है।

B- स्कॉलरशिप लेने के लिए पवित्र बनना है।

C- अन्दर में काम, क्रोध आदि के जो भी भूत प्रवेश हैं, उन्हें निकालना है।

D- पढ़ाई कभी मिस नहीं करनी है।

प्रश्न 3- रावण का स्वर्ग कब कहेंगे ?

A- द्वापर युग में

B- कलियुग में

C- कलियुग के अन्त में

D- द्वापर कलियुग में

प्रश्न 4- किसने 82, 83, 84 जन्म लिए हैं ?

A- वे भारत-वासी ही जब देवी-देवता थे।

B- सभी धर्म वाले।

C- साधु संन्यासियों ने।

D- इन लक्ष्मी नारायण ने।

प्रश्न 5- सतयुग आदि, कलियुग अन्त का यह है संगमयुग। इनको लीप युग कहा जाता है। इसमें हम कहां के लिए जम्प मारते हैं ?

A- शान्तिधाम में

B- पुरानी दुनिया से नई दुनिया में

C- बेहद की दुनिया में

D- शूद्र से ब्राह्मण में

प्रश्न 6- कौन से अक्षर में क्रिमिनल आई नहीं होगी ?

A- बाप की बच्ची में

B- बहन

C- माता

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- संन्यास की ताकत सबसे अधिक किस में थी ?

A- रामकृष्ण में

B- विवेकानन्द में

C- वल्लभाचारियों में

D- भक्तों में

प्रश्न 8- सबसे श्रेष्ठ बल है-

A- ज्ञान - बल

B- योग - बल

C- साइन्स का बल

D- A और B

E- A,B और C

प्रश्न 9- सर्विस करने के लिए वास्तव में कौन सा एक चित्र ही बस काफी है ?

A- गोले का चित्र

B- त्रिमूर्ति

C- 84 जन्मों की सीढ़ी

D- लक्ष्मी नारायण

प्रश्न 10- अभी तुम बच्चे समझते हो कि विनाशी कमाई के पीछे जास्ती टाइम वेस्ट नहीं करना है क्योंकि-

A- नॉलेज तो सारी अच्छी रीति बुद्धि में है।

B- एम ऑबजेक्ट सामने है।

C- वह तो सब मिट्टी में मिल जायेगा।

D- अब घर जाना है।

प्रश्न 11- बुद्धि कहा जाता है -

A- तीसरे नेत्र को

B- निर्णय को

C- ज्ञान को

D- समझ को

प्रश्न 12- जानते हो कितनी जीव आत्मायें होंगी ? जीव अर्थात्-

A- आत्मा

B- शरीर

C- अविनाशी

D- विनाशी

प्रश्न 13- सेफ्टी फर्स्ट। सेफ्टी क्या है ?

A- याद की यात्रा

B- मैनर्स ठीक करना

C- सतोप्रधान बनना

D- बाप की छत्रछाया

प्रश्न 14- याद के बल से -

A- अपना स्वभाव मीठा और कर्मेन्द्रियां शान्त करनी हैं।

B- बाप समान विदेही बनने का पुरूषार्थ करना है।

C- अशुद्ध ख्यालात समाप्त कर देने हैं।

D- मायाजीत बनना

प्रश्न 15- रूहानी बाप परमधाम से आकर हमको पढ़ा रहे हैं। क्या पढ़ा रहे हैं ?

A- लाखों पद्मों की कमाई हो रही है, कमाई में सुस्ती, उदासी नहीं आ सकती।

B- बाप के साथ आत्मा का योग लगाना सिखलाते हैं जिसको याद की यात्रा कहा जाता है।

C- दैवी कैरेक्टर्स।

D- नई दुनिया के लिए पढ़ाई।

प्रश्न 16- हठयोगी घरबार क्यो छोड़ते हैं ?

A- पवित्र रहने के लिए

B- हद का वैराग्य है इसलिए

C- शान्तिधाम जाने के लिए

D- योग साधना के लिए

भाग (53) खण्ड {106} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C तुम पावन दुनिया में जा रहे हो*

तुम्हें किसी भी पतित देहधारियों से प्यार नहीं रखना है क्योंकि तुम पावन दुनिया में जा रहे हो, एक बाप से प्यार करना है''

उत्तर 2- *A.अच्छी रीति पढ़ना है*

स्वयं भगवान टीचर बनकर पढ़ाते हैं इसलिए अच्छी रीति पढ़ना है। स्कॉलरशिप लेने के लिए पवित्र बनकर दूसरों को पवित्र बनाने की सेवा करनी है।

उत्तर 3- *C.कलियुग के अन्त में*

अभी है आइरन एज, खाद पड़ते-पड़ते बिल्कुल तमोप्रधान बन गये हैं। कितना दु:ख है। यह एरोप्लेन आदि भी 100 वर्ष में बने हैं। इनको कहा जाता है माया का पाम्प। तो मनुष्य समझते साइंस ने तो स्वर्ग बना दिया है। *परन्तु यह है रावण का स्वर्ग। कलियुग में* माया का पाम्प देख तुम्हारे पास मुश्किल आते हैं। समझते हैं हमारे पास तो महल मोटरें आदि हैं।

उत्तर 4- *A.वे भारत-वासी ही जब देवी-देवता थे*

बच्चे जानते हैं - हम ही पवित्र देवी-देवता थे, जो 84 जन्मों के बाद फिर पतित बने हैं। सब तो 84 जन्म नहीं लेते हैं। *भारत-वासी ही देवी-देवता थे, जिन्हों ने 82, 83, 84 जन्म लिए हैं।* वही पतित बने हैं। भारत ही अविनाशी खण्ड गाया हुआ है।

उत्तर 5- *B.पुरानी दुनिया से नई दुनिया में*

पावन दुनिया है सतयुग। पतित दुनिया है कलियुग। तो सतयुग आदि, कलियुग अन्त का यह है संगमयुग। इनको लीप युग कहा जाता है। इसमें *हम जम्प मारते हैं। कहाँ? पुरानी दुनिया से नई दुनिया में जम्प मारते हैं।* वह तो सीढ़ी से आहिस्ते-आहिस्ते नीचे उतरते आये। यहाँ तो हम छी-छी दुनिया से नई दुनिया में एकदम जम्प मारते हैं।

उत्तर 6- *C.माता*

यह ज्ञान का रास्ता है, वैराग्य की बात अलग है। वैराग्य में आकर स्त्री को माँ समझा। *माता अक्षर में क्रिमिनल आई नहीं होगी।* बहन में भी क्रिमिनल दृष्टि जा सकती है, माता में कभी खराब ख्याल नहीं जायेंगे। बाप की बच्ची में भी क्रिमिनल दृष्टि जा सकती है, माँ में कभी नहीं जायेगी।

उत्तर 7- *A.रामकृष्ण में*

विवेकानन्द और रामकृष्ण भी दो बड़े संन्यासी होकर गये हैं। *संन्यास की ताकत रामकृष्ण में थी।* बाकी भक्ति का समझाना करना, वह विवेकानन्द का था। दोनों की पुस्तकें हैं। पुस्तक जब लिखते हैं तो एकाग्रचित हो बैठ लिखते हैं।

उत्तर 8- *D. A और B*

ज्ञान बल और योग बल सबसे श्रेष्ठ बल है। जैसे साइन्स का बल अंधकार पर विजय प्राप्त कर रोशनी कर देता है। ऐसे योगबल सदा के लिए माया पर जीत प्राप्त कर

विजयी बना देता है। योगबल इतना श्रेष्ठ बल है जो माया की शक्ति इसके आगे कुछ भी नहीं है।

उत्तर 9- *A.गोले का*

बाप समझाते हैं कोई को भी शॉर्ट में समझाना है। बड़े-बड़े मेले आदि लगते हैं, बच्चे जानते हैं *सर्विस करने लिए वास्तव में एक चित्र ही बस है। भल गोले का चित्र हो तो भी हर्जा नहीं है।* बाप, ड्रामा और झाड़ का अथवा कल्प वृक्ष का और 84 के चक्र का राज़ समझाते हैं।

उत्तर 10- *C.वह तो सब मिट्टी में मिल जाएगा*

अभी तुम बच्चे समझते हो कि *विनाशी कमाई के पीछे जास्ती टाइम वेस्ट नहीं करना है। वह तो सब मिट्टी में मिल जायेगा।* बाप को कुछ चाहिए क्या? कुछ भी नहीं। कुछ भी खर्चा आदि करते हैं सो तो अपने लिए ही करते हैं। इसमें पाई का भी खर्चा नहीं है।

उत्तर 11- *A.तीसरे नेत्र को*

अन्धों के लिए तो बड़ा आइना चाहिए, जो अच्छी तरह देख सकें क्योंकि अभी सबकी नज़र कमज़ोर है, बुद्धि कम है। *बुद्धि कहा जाता है तीसरे नेत्र को।* तुम्हारी बुद्धि में अब खुशी हुई है। खुशी में जिनके रोमांच खड़े नहीं होते हैं, गोया शिवबाबा को याद नहीं करते हैं तो कहेंगे ज्ञान का तीसरा नेत्र थोड़ा खुला है, झुंझार है।

उत्तर 12- *B.शरीर*

अभी तुम यहाँ बैठे हो, जानते हो कितनी जीव आत्मायें होंगी। *जीव (शरीर) तो विनाशी हैं, बाकी आत्मा है अविनाशी।* आत्मायें तो ढेर हैं। जैसे ऊपर में सितारे रहते हैं ना। सितारे जास्ती हैं या आत्मायें जास्ती हैं? क्योंकि तुम हो धरती के सितारे और वह आसमान के सितारे।

उत्तर 13- *A.याद की यात्रा*

याद की यात्रा ही सेफ्टी का नम्बरवन साधन है क्योंकि इस याद से ही तुम्हारे कैरेक्टर सुधरते हैं। तुम माया पर जीत पा लेते हो। याद से पतित कर्मेन्द्रियां शान्त हो जाती हैं। याद से ही बल आता है। ज्ञान तलवार में याद का जौहर चाहिए। याद से ही मीठे सतोप्रधान बनेंगे।

उत्तर 14- *A.अपना स्वभाव मीठा और कर्मेन्द्रियां शान्त करनी हैं*

तुम सतोप्रधान थे तो बहुत मीठे थे। अब फिर सतोप्रधान बनना है। ऐसा मीठा वातावरण बनाना है जिसमें कोई भी नाराज़ न हो। बाप समान विदेही बनने का पुरूषार्थ करना है। *याद के बल से अपना स्वभाव मीठा और कर्मेन्द्रियां शान्त करनी हैं।*

उत्तर 15- *B. बाप के साथ आत्मा का योग लगाना सिखलाते हैं जिसे याद की यात्रा कहा जाता है*

यह तो बच्चे जानते हैं कि रूहानी बाप परमधाम से आकर हमको पढ़ा रहे हैं। *क्या पढ़ा रहे हैं? बाप के साथ

आत्मा का योग लगाना सिखलाते हैं जिसको याद की यात्रा कहा जाता है।*

उत्तर 16- *A.पवित्र रहने के लिए*

तुम्हारा है राजयोग, वह घरबार छोड़ जंगल में चले जाते हैं तो उन्हों का नाम ही पड़ जाता है संन्यासी। *हठयोगी घरबार छोड़ते हैं पवित्र रहने के लिए।* यह भी है अच्छा। बाप कहते हैं - भारत तो बहुत पवित्र था। इतना पवित्र खण्ड और कोई होता नहीं।